पत्रकारिता (जनसंचार) में स्नातक	कार्यक्रम कोड : बीजे(एमसी)
Bachelor of Journalism (Mass Communication)	**Programme Code : BJ(MC)**

उद्देय (Objectives) :

- पत्रकारिता और जनसंचार माध्यमों के प्रति लोगों की रूचि में वृद्धि करना।
- मुद्रित माध्यमों तथा पत्र–पत्रिकाओं आदि से लेकर रेडियो, टेलीविजन, समाचार एजेन्सियों तथा सरकारी एवं कार्पोरेट संस्थानों में जनसम्पर्क अधिकारी के रूप में रोजगार प्राप्त करने योग्य बनाना।
- छात्रों को पत्रकारिता विषयक व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है।

प्रवो योग्यता (Admission Eligibility) :

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) अथवा समकक्ष उपाधि।

अवधि (Duration) : न्यूनतम 1 वर्ष ; अधिकतम 4 वर्ष

माध्यम (Medium) : पाठ्य सामग्री केवल हिन्दी में उपलब्ध

श्रेयांक(Credit) : 48

भुल्क (Fee) : रूपये 8000/– (रूपये आठ हजार मात्र)

कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

पत्रकारिता (जनसंचार) में स्नातक *[BJ(MC)]* कार्यक्रम में कुल 8 पाठ्यक्रम हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम 6 श्रेयांक का है। पाठ्यक्रम के नाम, पाठ्यक्रम कोड एवं प्रत्येक पाठ्यक्रम के श्रेयांक निम्न तालिका में अंकित है।

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	कम्प्यूटर एप्लीकेशन एवं साइबर मीडिया *Computer Application and Cyber Media*	बीजे–01 *BJ-01*	6
2.	संचार एवं विकासात्मक संचार *Communication & Developmental Communication*	बीजे–02 *BJ-02*	6
3.	जनसंचार माध्यमों का इतिहास *History of Mass Communication Media*	बीजे–03 *BJ-03*	6
4.	मीडिया लेखन *Media Writing*	बीजे–04 *BJ-04*	6
5.	जनसम्पर्क एवं विज्ञापन *Public Relation & Advertising*	बीजे–05 *BJ-05*	6
6.	संपादन, पृष्ठ सज्जा एवं मुद्रण *Editing, Layout &Printing*	बीजे–06 *BJ-06*	6
7.	मीडिया संस्थान प्रबन्धन एवं मीडिया कानून *Management of Media Institutes and Media Law*	बीजे–07 *BJ-07*	6
8.	व्यावहारिक कार्य *Practical Work / Project*	बीजे–08 *BJ-08*	6

व्यावहारिक कार्य (Practical Work / Project) :

व्यावहारिक प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को विभिन्न मीडिया संस्थाओं की कार्यप्रणाली का अध्ययन करना होगा। प्रत्येक छात्र को एक प्रोजेक्ट(व्यावहारिक कार्य) तैयार करना होगा। व्यावहारिक कार्य विद्यार्थी को हस्तलिखित या टंकित रूप से प्रस्तुत करना होगा। व्यावहारिक कार्य के लिए विद्यार्थी को विश्वविद्यालय के नियमों की अनुपालना करनी होगी। व्यावहारिक कार्य पाठ्यक्रम में से दिये जायेंगे।

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :

सत्रीय (गृह कार्य) : प्रत्येक पाठ्यक्रम (बीजे–08 को छोड़कर) में सत्रीय गृहकार्य 20 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम में दो सत्रीय गृहकार्य दिये जाएंगे। सत्रीय कार्य पूर्ण करके संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र पर जमा कराना होगा।

सत्रांत (मुख्य) परीक्षा : न्यूनतम अवधि अर्थात 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी को प्रत्येक पाठ्यक्रम (बीजे–08 को छोड़कर) में तीन घंटे की लिखित परीक्षा देनी होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। इस कार्यक्रम में उत्तीर्णांक 40 प्रतिशत है। विद्यार्थियों को दोनों परीक्षाओं में अलग–अलग (सत्रीय एवं सत्रांत) उत्तीर्ण होना आवश्यक है। किसी एक पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम 36 प्रतिशत अंक सत्रीय एवं सत्रांत दोनों परीक्षाओं में अलग–अलग लाना अनिवार्य है। लेकिन सम्पूर्ण कार्यक्रम में सफलता प्राप्त करने के लिए न्यूनतम कुल प्राप्तांक सत्रीय एवं संत्रात परीक्षा को मिलाकर 40 प्रतिशत अंक अनिवार्य होंगे अर्थात् 800 में से 320 अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। पाठ्यक्रम व्यावहारिक कार्य (बीजे–08) में सत्रीय (गृह) कार्य नहीं दिया जाएगा। यह पाठ्यक्रम 100 अंकों का होगा। उत्तीर्ण विद्यार्थियों को निम्नानुसार श्रेणी प्रदान की जायेगी।

प्रथम श्रेणी	–	60 प्रतिशत एवं अधिक
द्वितीय श्रेणी	–	48 प्रतिशत एवं 60 प्रतिशत से कम
उत्तीर्ण	–	40 प्रतिशत एवं 48 प्रतिशत से कम